GYANSHILA IAS
Learning Institute

DAILY GENERAL AWARENESS QUIZ

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Friday, 11 September 2026

1. 'स्वच्छ वायु दिवस' पर 5वें स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी संदर्भ में, हमें बताएं कि पार्टिकुलेट मैटर (कणों) को PM2.5 के रूप में वर्गीकृत करने के लिए उसका ऊपरी एरोडायनामिक व्यास कितना होना चाहिए?
(A) 2.5 मिलीमीटर (B) 2.5 माइक्रोमीटर
(C) 2.5 माइक्रोमीटर (D) 2.5 नैनोमीटर

2. गोवा पुलिस को 'प्रेसिडेंट्स कलर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसी संदर्भ में बताइए कि भारत में किस राज्य की पुलिस फ़ोर्स को सबसे पहले 'प्रेसिडेंट्स कलर' (निशान) से सम्मानित किया गया था?
(A) उत्तर प्रदेश पुलिस (B) दिल्ली पुलिस
(C) महाराष्ट्र पुलिस (D) तमिलनाडु पुलिस

3. RBI ने कोस्टल बैंक को 'शेड्यूल्ड बैंक' का दर्जा दिया है। इसी संदर्भ में बताइए कि शेड्यूल्ड बैंक का दर्जा पाने के लिए किसी बैंक की 'पेड-अप कैपिटल' (चुका हुआ पूंजी) की न्यूनतम सीमा क्या होनी चाहिए?
(A) ₹50 हज़ार (B) ₹5 लाख
(C) ₹50 लाख (D) ₹5 करोड़

4. UK ने भारत की कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम को मान्यता दी है। इसी संदर्भ में बताइए कि कार्बन क्रेडिट का मार्केट-बेस्ड कॉन्सेप्ट किस अंतरराष्ट्रीय संधि से शुरू हुआ था?
(A) अर्थ समिट, रियो डी जनेरियो (B) रामसर कन्वेंशन
(C) मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (D) क्योटो प्रोटोकॉल

5. नागपुर में आयोजित 11वें आयुर्वेद दिवस की थीम 'बेहतर कल के लिए आयुर्वेद' थी। इसी संदर्भ में बताइए कि चरक किस प्राचीन भारतीय शासक के प्रसिद्ध दरबारी चिकित्सक थे?
(A) हर्ष (B) अशोक
(C) चंद्रगुप्त (D) कनिष्क

6. भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य वन्यजीवों की निगरानी के लिए "बर्ड हियरिंग" AI तकनीक का इस्तेमाल करेगा। भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य के बारे में इन बयानों पर विचार करें:
(1) यह सतपुड़ा पहाड़ियों की मैकल रेंज में स्थित है और कान्हा-अचानकमार कॉरिडोर का हिस्सा है।
(2) सकरी नदी इस अभयारण्य से होकर बहती है और वन्यजीवों के लिए पीने के पानी का मुख्य स्रोत है।
(3) यह छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित है और इसका नाम नागवंशी राजवंश के एक प्राचीन मंदिर के नाम पर रखा गया है।
उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

7. मंत्री ने कार्रवाई के लिए शिवनेरी किले में अनधिकृत निर्माणों का निष्पक्ष मूल्यांकन करने का आदेश दिया। शिवनेरी किले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
(1) यह किला मूल रूप से सातवाहन राजवंश के शासनकाल में 'देश' और कल्याण के बीच व्यापारिक मार्ग की सुरक्षा के लिए बनवाया गया था।
(2) छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म 17वीं सदी की शुरुआत में शिवनेरी किले में हुआ था और उन्होंने अपने बचपन के शुरुआती साल वहीं बिताए थे।
(3) मराठा साम्राज्य की स्थापना के बाद, 1595 में अहमदनगर सल्तनत ने शाहजी भोसले को शिवनेरी किले का नियंत्रण सौंप दिया था।
उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

8. FIU-IND ने PMLA नियमों का पालन न करने पर 15 वर्चुअल डिजिटल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स को नोटिस जारी किए हैं।
फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट-इंडिया के बारे में इन दस्तावेजों पर विचार करें:
(1) इसे भारत सरकार ने 2004 में संदिग्ध वित्तीय लेन-देन का विश्लेषण करने वाली केंद्रीय राष्ट्रीय एजेंसी के तौर पर स्थापित किया था।
(2) FIU-IND गृह मंत्रालय के तहत काम करती है और सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को रिपोर्ट करती है।
(3) यह कैश ट्रांज़ैक्शन रिपोर्ट और क्रॉस-बॉर्डर वायर ट्रांसफ़र रिपोर्ट जैसी रिपोर्टों के आधार पर एक केंद्रीय राष्ट्रीय डेटाबेस बनाए रखती है।
उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

1-{B} - 2-{A} - 3-{B} - 4-{D} - 5-{D} - 6-{B} - 7-{B} 8-{A}

GYANSHILA IAS
Learning Institute

DAILY GENERAL STUDIES QUIZ

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Friday, 11 September 2026

HISTORY

1. निम्नलिखित में से किसे प्राचीन भारत में महाजनपदों के उदय के लिए सबसे व्यापक संरचनात्मक कारण माना जा सकता है?

(A) केवल वैदिक यज्ञों का विस्तार

(B) लौह-प्रौद्योगिकी, कृषि अधिशेष, नगरीकरण और व्यापार का परस्पर विकास

(C) केवल समुद्री व्यापार का विस्तार

(D) केवल जनजातीय व्यवस्था का पूर्ण अंत

2. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म गलत सुमेलित है?

(A) ऐहोल अभिलेख — रविकीर्ति

(B) मंदसौर अभिलेख — रेशम-बुनकरों की श्रेणी

(C) जूनागढ़ अभिलेख — रुद्रदामन

(D) नासिक अभिलेख — समुद्रगुप्त

3. कुषाण काल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कुषाणों ने मध्य एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप के बीच संपर्क को मजबूत किया।

2. उनके काल में लंबी दूरी के व्यापार को प्रोत्साहन मिला।

3. गांधार क्षेत्र में बौद्ध कला के विकास को संरक्षण मिला।

4. कुषाण सत्ता का प्रभाव केवल गंगा घाटी तक सीमित था।

सही उत्तर चुनिए:

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 1, 2 और 3

(C) केवल 2, 3 और 4 (D) 1, 2, 3 और 4

4. प्राचीन भारतीय स्थापत्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. नागर शैली में सामान्यतः वक्ररेखीय शिखर की परंपरा दिखाई देती है।

2. द्रविड़ शैली में विमाना का पिरामिडाकार रूप प्रमुख है।

3. गोपुरम विशेष रूप से दक्षिण भारतीय मंदिर परंपरा में महत्वपूर्ण हुआ।

4. नागर और द्रविड़ शैलियाँ भारत के सभी क्षेत्रों में बिल्कुल समान रूप में विकसित हुईं।

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 1, 2 और 3

(C) केवल 2 और 4 (D) 1, 2, 3 और 4

5. राष्ट्रकूट–पाल–प्रतिहार संघर्ष के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र इसके राजनीतिक महत्व को सबसे अच्छी तरह स्पष्ट करता है?

(A) कांची (B) कन्नौज

(C) मदुरै (D) द्वारका

6. अकबर की सुलह-ए-कुल नीति का सबसे उपयुक्त अर्थ क्या है?

(A) सभी धार्मिक परंपराओं का जबरन एक धर्म में विलय

(B) राज्य द्वारा व्यापक धार्मिक सहिष्णुता और शांति की नीति

(C) केवल उलेमा के राजनीतिक अधिकारों का विस्तार

(D) केवल गैर-मुस्लिमों पर लगाए गए करों की वृद्धि

7. शिवाजी के प्रशासन के संदर्भ में अष्टप्रधान मंडल के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(A) यह केवल धार्मिक अधिकारियों की परिषद थी।

(B) यह प्रशासन के विभिन्न कार्यों में सहायता करने वाला मंत्रिपरिषद-सदृश निकाय था।

(C) इसमें केवल सैन्य अधिकारियों को स्थान दिया जाता था।

(D) यह मुगल प्रशासन द्वारा शिवाजी पर थोपी गई संस्था थी।

8. निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

1. रेग्युलेटिंग एक्ट

2. पिट्स इंडिया एक्ट

3. चार्टर एक्ट, 1813

4. चार्टर एक्ट, 1833

(A) 1 ⟶ 2 ⟶ 3 ⟶ 4

(B) 2 ⟶ 1 ⟶ 3 ⟶ 4

(C) 1 ⟶ 3 ⟶ 2 ⟶ 4

(D) 2 ⟶ 3 ⟶ 1 ⟶ 4

1-{B}-2-{D}-3-{B}-4-{B}-5-{B}-6-{B}-7-{B}-8-{A}

DAILY STATIC GK ONE-LINERS

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR
SHRI MATI SANGAM SINGH

MANAGING DIRECTOR
SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Friday, 11 September 2026

भारत की प्रमुख नदियाँ (भाग-2)

नया डेटा और विश्लेषण (UPSC स्तर)

1 सुवर्णरेखा नदी प्रणाली

- सुवर्णरेखा-बुढ़ाबलंग basin का क्षेत्रफल लगभग **23,751 km²** है।
- सुवर्णरेखा का उद्गम राँची के निकट नागरी क्षेत्र में लगभग **600 मीटर** ऊँचाई पर होता है।
- इसकी लंबाई लगभग **395 km** है।
- **कांची**, **खरकई** और **करकरी** इसकी महत्वपूर्ण सहायक नदियाँ हैं।
- यह छोटानागपुर पठार को बंगाल की खाड़ी से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण पूर्ववाहिनी प्रणाली है।

2 ब्राह्मणी–बैतरणी Basin

- CWC इसे भारत के स्वतंत्र नदी-बेसिनों में अलग Brahmani–Baitarni Basin के रूप में वर्गीकृत करता है।
- यह विशेष रूप से झारखंड–ओड़िशा के पठारी एवं तटीय क्षेत्रों के बीच hydrological connectivity के अध्ययन में महत्वपूर्ण है।
- खनन एवं औद्योगिक गतिविधियों के कारण इस क्षेत्र में Water Quality + Industrialisation + River Ecology का संबंध UPSC के लिए महत्वपूर्ण आयाम है।

3 पूर्वी तट की छोटी स्वतंत्र नदियाँ

- महानदी और पेन्नार के बीच CWC एक अलग composite drainage basin पहचानता है।
- इसमें **Rushikulya, Bahuda, Vamsadhara, Nagavali, Sarada, Varaha, Tandava** और **Gundlakamma** जैसी स्वतंत्र नदियाँ शामिल हैं।
- ये दिखाती हैं कि प्रायद्वीपीय drainage केवल कुछ बड़ी नदियों तक सीमित नहीं है।
- छोटी coastal rivers estuaries, agriculture और coastal ecosystems के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

4 पेन्नार नदी-बेसिन

- CWC की राष्ट्रीय basin classification में Pennar एक स्वतंत्र basin है।
- CWC के पुराने water-resource assessment में इसका average annual water potential लगभग **6.32 BCM** आँका गया था।
- इसका अपेक्षाकृत सीमित water availability दक्षिण भारत के semi-arid river-basin management को समझने में उपयोगी उदाहरण है।

5 साबरमती Basin

- साबरमती को भी CWC अलग river basin के रूप में वर्गीकृत करता है।
- इसके लिए पुराने CWC आकलन में average annual water potential केवल लगभग **3.81 BCM** था।
- अत: यह Urban Water Demand + Semi-Arid Hydrology + Basin Management के अध्ययन का उपयोगी उदाहरण है।

6 भारत की Drainage Diversity

CWC की basin classification केवल बड़ी नदियों पर आधारित नहीं है। इसमें अलग श्रेणियाँ भी हैं:

- West-flowing rivers of Kutch-Saurashtra
- Inland drainage of Rajasthan
- Minor rivers draining towards Myanmar/ Bangladesh
- Island drainage of Andaman-Nicobar
- Lakshadweep drainage

यह भारत की Himalayan + Peninsular + Desert + Coastal + Island Drainage विविधता को दर्शाता है।

7 नदी निगरानी का आधुनिक स्वरूप

- CWC वर्तमान में प्रमुख नदियों एवं उनकी tributaries पर **878** hydrological observation sites का नेटवर्क संचालित करता है।
- इसके अतिरिक्त **76** exclusive meteorological stations भी हैं।
- यहाँ discharge, water level, sediment तथा अन्य hydrological parameters का अध्ययन जल संसाधन planning के लिए आधार प्रदान करता है।

8 नदियाँ और Inland Water Transport

- भारत में rivers, canals, backwaters और creeks सहित लगभग **14,500 km** navigable waterways उपलब्ध हैं।
- इससे नदियों की भूमिका सिंचाई से आगे बढ़कर Low-cost **Transport + Multimodal Logistics + Regional Development** तक पहुंचती है।
- नदी-आधारित परिवहन में ecological flows और navigation requirements के बीच संतुलन आवश्यक है।

UPSC विश्लेषण: नदी-बेसिन केवल जल का स्रोत नहीं बल्कि Water Security + Ecosystem Services + Economy + Regional Development + Governance का आधार है। Integrated River Basin Management की आवश्यकता है।

Friday, 11 September 2026

पोषण अभियान

समाचार में क्यों?

9वाँ राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर 2026 को **वाराणसी** में शुरू हुआ। इस अभियान की थीम **"हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी"** है। इसमें **आहार विविधता, प्रोटीन सेवन और गरम पके भोजन** पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अर्थप्रकाशक: -

परिचय-

- **पोषण अभियान** का अर्थ **प्रधानमंत्री समग्र पोषण योजना** है।
- यह भारत सरकार का प्रमुख **राष्ट्रीय पोषण मिशन** है, जिसका उद्देश्य **बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं** के पोषण स्तर में सुधार करना है।
- यह **बहु-क्षेत्रीय अभिसरण, प्रौद्योगिकी और सामुदायिक भागीदारी** पर आधारित है।

शुभारंभ-

- **शुभारंभ: 8 मार्च 2018।**
- इसे प्रधानमंत्री द्वारा **कुपोषण-मुक्त भारत** के लक्ष्य के लिए राष्ट्रीय मिशन के रूप में शुरू किया गया।
- इसे प्रारंभ में **राष्ट्रीय पोषण मिशन (NNM)** कहा जाता था और **मई 2018** में इसका नाम बदलकर **पोषण अभियान** किया गया।

उद्देश्य-

- समन्वित हस्तक्षेपों के माध्यम से **कुपोषण की समस्या** का समाधान करना।
- **पोषण जागरूकता और स्वस्थ खान-पान की आदतों** को बढ़ावा देना।
- **जीवन के पहले 1,000 दिनों** के दौरान पोषण संबंधी हस्तक्षेपों पर विशेष जोर देना।

लक्षित समूह-

- **6 वर्ष से कम आयु के बच्चे।**
- **गर्भवती महिलाएँ और स्तनपान कराने वाली माताएँ।**
- **किशोरियाँ;** वर्तमान पोषण 2.0 ढाँचे के अंतर्गत आकांक्षी जिलों और **पूर्वोत्तर क्षेत्र** में **14–18 वर्ष** की किशोरियों को पोषण सहायता दी जाती है।

4 स्तंभ-

- **अभिसरण** – विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और हितधारकों के बीच समन्वय।
- **प्रौद्योगिकी** – निगरानी के लिए **पोषण ट्रैकर** जैसी डिजिटल प्रणालियों का उपयोग।
- **सामुदायिक लामबंदी एवं व्यवहार परिवर्तन – जन आंदोलन** के माध्यम से पोषण जागरूकता।
- **क्षमता निर्माण एवं नवाचार** – अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं की क्षमता को मजबूत करना और नवाचार को बढ़ावा देना।

घटक-

- **अभिसरण एवं सामुदायिक लामबंदी** – कुपोषण के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई।
- **आईसीटी/प्रौद्योगिकी, क्षमता निर्माण एवं नवाचार** – कार्यान्वयन को मजबूत करना।
- **जन आंदोलन, प्रोत्साहन एवं पुरस्कार** – सामुदायिक भागीदारी और बेहतर प्रदर्शन को बढ़ावा देना।

अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण-

- पोषण संबंधी परिणामों के लिए विभिन्न **मंत्रालयों एवं विभागों** के हस्तक्षेपों को एक साथ लाया जाता है।
- **आंगनवाड़ी सेवाएँ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM)** तथा स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण संबंधी अन्य कार्यक्रमों के साथ समन्वय किया जाता है।
- **मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0** के अंतर्गत पोषण अभियान **पहुंच और प्रणाली सुदृढ़ीकरण** का महत्वपूर्ण घटक है।

निगरानी प्रणाली-

- **पोषण ट्रैकर** मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत एक **आईसीटी-आधारित शासन एवं निगरानी उपकरण** है।
- इसे **1 मार्च 2021** को **लगभग वास्तविक समय की निगरानी** के लिए शुरू किया गया।
- यह **बौनापन, दुबलापन और कम वजन** की पहचान तथा पोषण सेवाओं की **अंतिम छोर तक पहुँच** की निगरानी में सहायता करता है।

पोषण माह / पोषण पखवाड़ा-

- **पोषण माह** प्रत्येक वर्ष **सितंबर** में राष्ट्रव्यापी पोषण-केंद्रित **जन आंदोलन** के रूप में मनाया जाता है।
- **पोषण पखवाड़ा** लगभग **मार्च–अप्रैल** में पोषण, स्वास्थ्य और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है।
- प्रमुख विषयों में **स्तनपान, एनीमिया की रोकथाम, वृद्धि निगरानी, स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थ, स्वच्छता एवं साफ-सफाई** शामिल हैं।

GYANSHILA IAS
Learning Institute

MAP OF THE DAY BHARAT

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Friday, 11 September 2026

ठाणे क्रीक फ्लेमिंगो अभयारण्य

महाराष्ट्र का तटीय रत्न – भारत का पहला समर्पित फ्लेमिंगो अभयारण्य

आर्द्रभूमि सुरक्षित कल, समृद्ध कल

स्थिति (Location)

- ठाणे क्रीक के किनारे स्थित एक संरक्षित तटीय आर्द्रभूमि क्षेत्र।
- **मुंबई** और **नवी मुंबई** के बीच, **महाराष्ट्र** में स्थित।

घोषणा (Declared)

- वर्ष **2015** में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत इसे **वन्यजीव अभयारण्य** घोषित किया गया।
- यह **भारत का पहला समर्पित फ्लेमिंगो अभयारण्य** है।

रामसर स्थल (Ramsar Site)

- वर्ष **2022** में इसे **रामसर स्थल** के रूप में नामित किया गया।
- यह इसकी समृद्ध जैवविविधता और पारिस्थितिक महत्व को **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता** देता है।

क्षेत्रफल एवं पारिस्थितिकी तंत्र

- यह एक अद्वितीय उवारीय (intertidal) पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसमें कीचड़ वाले **तट (mudflats), मैंग्रोव** और **उथले तटीय जल** शामिल हैं।
- यह विविध आवास प्रवासी एवं स्थानीय पक्षियों के लिए आदर्श निवास स्थल प्रदान करते हैं।

पारिस्थितिक महत्व

प्रवासी पक्षियों के लिए आवास
शीतकालीन मौसम में हजारों प्रवासी फ्लेमिंगो के लिए भोजन और विश्राम स्थल प्रदान करता हैं।

मध्य एशियाई फ्लाईवे का हिस्सा
यह अभयारण्य **केंद्रीय एशियाई फ्लाईवे (CAF)** पर स्थित है, जो यूरोप और मध्य एशियां के प्रजनन स्थलों को भारतीय उपमहाद्वीप के शीतकालीन स्थलों से जोड़ता हैं।

मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र
क्रीक के आसपास के मैंग्रोव तटीय कटाव से प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करते हैं, समुद्री जैवविविधता का समर्थन करते हैं और तटीय लचीलापन (resilience) बढ़ाते हैं।

भारत का पहला AI-संचालित पक्षी निगरानी केंद्र

- प्रस्तावित ईको-नेचर पार्क में पक्षी संरक्षण के लिए **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित निगरानी प्रणाली** शुरू की जाएगी।
- AI-संचालित कैमरे और सेंसर स्वचालित इंमेज पहचान और ध्वनि विश्लेषण के माध्यम से पक्षी प्रजातियों की पहचान करेंगे।

जैवविविधता

- यहाँ बड़ी संख्या में **ग्रेटर फ्लेमिंगो** और **लेसर फ्लेमिंगो** पाए जाते हैं।
- यह **200 से अधिक पक्षी प्रजातियों** का घर है, जिनमें हेरॉन, एग्रेट (बगुले), शोरबर्ड और किंगफिशर सहित कई प्रजातियों शामिल हैं।

फ्लेमिंगो के बारे में

- फ्लेमिंगो विशिष्ट रूप-रंग, निस्यंदन (filter-feeding) क्षमता और उथले जल पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भरता के लिए प्रसिद्ध आर्द्रभूमि पक्षी हैं।
- इनकी लंबी टाँगें, S-आकार की गर्दन और घुमावदार चोंच उथले जल में भोजन करने के लिए अनुकूलित होती हैं।
- ये खारे झीलों, लैगून, कीचड़ वाले तटों और नमक पैन में रहते हैं तथा सामान्यतः बड़ी कॉलोनियों में पाए जाते हैं।
- विश्व में फ्लेमिंगो की **6** प्रजातियों पाई जाती हैं, जबकि **भारत में ग्रेटर फ्लेमिंगो और लेसर फ्लेमिंगो** पाई जाती हैं।

आर्द्रभूमि बचाएँ | जैवविविधता बढ़ाएँ | प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व

GYANSHILA IAS
Learning Institute

MAP OF THE DAY WORLD

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Friday, 11 September 2026

आज़ोव सागर

आकार में छोटा, गहराई में उथला, प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण

UPSC/UPPCS आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण तथ्य

स्थिति
- पूर्वी यूरोप में स्थित, यह काला सागर (Black Sea) के उत्तर में है।
- यह केर्च जलडमरूमध्य (Strait of Kerch) के माध्यम से जुड़ा है, जो लगभग 4 किमी चौड़ा है, और भूमध्य सागर से एक बड़े समुद्री तंत्र का हिस्सा है।

आकार
- लगभग 360 किमी लंबा और 180 किमी चौड़ा।
- क्षेत्रफल लगभग 39,000 वर्ग किमी।
- पूर्व सोवियत संघ क्षेत्र का सबसे छोटा समुद्र।

गहराई
- विश्व का सबसे उथला समुद्र।
- औसत गहराई लगभग 7 मीटर और अधिकतम गहराई 14 मीटर।
- समुद्र तल समतल है, जो धीरे-धीरे केंद्र की ओर गहरा होता है।

अन्य नाम
- ऐतिहासिक रूप से इसे **मयोतिस दलदल** (Maeotis Swamp), **लेक मयोतिस** (Lake Maeotis) और **टेमारुंडा** (Temarunda) कहा जाता था, जिसका अर्थ है **"जल की माता"**।
- ओटोमन तुर्क इसे **बालूक-देनिस** (Balük-Denis) या "मछली सागर" कहते थे।

भू-वैज्ञानिक निर्माण
- नदियों से बड़े पैमाने पर आने वाली **अवसाद** (रेत, गाद और शंख) से समुद्र तल बनता है, जिससे समतल तल, अनेक रेतीले टापू, लैगून और लंबी स्थल-जीभें (जैसे **अराबत स्थल-जीभ**) बनते हैं।

प्रमुख नदियाँ
- **डॉन** और **कुबान** नदियाँ **90%** से अधिक मीठे पानी का प्रवाह देती हैं, जिससे लवणता कम होती है और पोषक तत्व मिलते हैं।
- **मियुस, कालमियुस** और **बेरदा** जैसी छोटी नदियों भी मिलकर मुहाने बनाती हैं।

लवणता
- लवणता कम (10–12 PSS) होती है, जो महासागरों से बहुत कम है।
- **तगानरोग खाड़ी** जैसे क्षेत्रों में यह लगभग **मीठा** हो जाता है, क्योंकि नदियों का जल अधिक मात्रा में मिलता है।

तटीय विशेषताएँ
- तटरेखा समतल और नीची है, जिसमें विस्तृत वनस्पति पाई जाती है।
- **स्थवास** जैसे लैगून, और **अराबत, फेडोटव और बेरद्यांस्क** जैसे लंबे रेतीले स्थल-जीभें **शामिल** हैं।

आज़ोव सागर और प्रमुख जल निकाय (समुद्र / सागरों) की महत्वपूर्ण जानकारी

समुद्र / जल निकाय	स्थिति	मुख्य तथ्य
भूमध्य सागर	दक्षिणी यूरोप	• अटलांटिक महासागर से जिब्राल्टर जलडमरूमध्य के माध्यम से जुड़ा है। **प्रमुख सागर:** अड्रियांटिक, एजियन, आयोनियन और टाइरेनियन सागर।
उत्तरी सागर	पश्चिमी व उत्तरी यूरोप	• अटलांटिक महासागर का सीमांत सागर, ग्रेट ब्रिटेन और मुख्यभूमि यूरोप के बीच स्थित।
बाल्टिक सागर	उत्तरी यूरोप	• प्रमुख खाड़ियाँ: बोथनिया की खाड़ी और फिनलैंड की खाड़ी।
काला सागर	दक्षिण-पूर्वी यूरोप	• यूरोप और एशिया के बीच स्थित; भूमध्य सागर से बोस्फोरस – मार्मारा सागर – डार्डानेल्स जलडमरूमध्य प्रणाली के माध्यम से जुड़ा है।
कैस्पियन सागर	यूरोप-एशिया सीमा के दक्षिण-पूर्वी भाग	• विश्व की सबसे बड़ी अंतर्देशीय जल-निकाय और सबसे बड़ी खारी झील।
नॉर्वेजियन सागर	उत्तरी-पश्चिमी यूरोप	• नॉर्वे और आइसलैंड/फैरो द्वीपसमूह के बीच उत्तरी अटलांटिक क्षेत्र में स्थित।

DAILY CURRENT AFFAIRS QUIZ

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com
DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Friday, 11 September 2026

1. निम्नलिखित तीन तकनीकों में से कौन सी ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 का मुख्य विषय है?
(A) ब्लॉकचेन, क्लाउड कंप्यूटिंग एंड 5जी
(B) एजेंटिक एआई, टोकनाइज़ेशन एंड क्वांटम टेक्नोलॉजी
(C) आईओटी, रोबोटिक्स एंड बायोटेक्नोलॉजी
(D) वेब3, मेटावर्स एंड 3डी प्रिंटिंग

2. वानिकी क्षेत्र में सहयोग पर भारत-जापान संयुक्त कार्य समूह की 7वीं बैठक किस शहर में आयोजित की गई?
(A) नई दिल्ली (B) भोपाल
(C) मैसूरु (D) बेंगलुरु

3. हिमालय दिवस हाल ही में सितंबर 2026 की किस तारीख को मनाया गया?
(A) 07 सितंबर (B) 08 सितम्बर
(C) 09 सितम्बर (D) 10 सितंबर

4. किस भारतीय जोड़ी ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज़ स्टेज III 2026 में पुरुष कंपाउंड टीम का स्वर्ण पदक जीता?
(A) टोमन कुमार और श्याम सुंदर स्वामी
(B) राकेश कुमार और गुरविंदर सिंह
(C) टोमन कुमार और राकेश कुमार
(D) श्याम सुंदर स्वामी और गुरविंदर सिंह

5. राजस्थान की किस विरासत संपत्ति को हाल ही में सितंबर 2026 में यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल किया गया है?
(A) शेखावाटी हवेलियाँ
(B) राजस्थान के पहाड़ी किले
(C) दिलवाड़ा मंदिर
(D) कुंभलगढ़ किला

6. किस भारतीय राज्य में 2025-26 शैक्षणिक वर्ष में प्राथमिक विद्यालय स्तर पर शून्य प्रतिशत ड्रॉपआउट दर दर्ज की गई?
(A) मेघालय (B) मिजोरम
(C) सिक्किम (D) त्रिपुरा

7. सामाजिक न्याय और सार्वजनिक सेवा में योगदान के लिए डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जन सेवा पुरस्कार 2026 किसे मिलेगा?
(A) राजीव गौबा (B) विजय कुमार सारस्वत
(C) किशोर मकवाना (D) गौरव स्वरूप

8. रानाकोथा संरक्षित आरक्षित वन किस राज्य में स्थित है जहाँ पाँच युवा वनमानुष पाए गए हैं?
(A) ओडिशा (B) झारखंड
(C) छत्तीसगढ़ (D) पश्चिम बंगाल

9. संयुक्त पृथ्वी-अवलोकन मिशन के रूप में विकसित तृष्णा, इसरो और किस देश की अंतरिक्ष एजेंसी के बीच एक सहयोग है?
(A) जापान (B) फ्रांस
(C) जर्मनी (D) रूस

10. ग्लोबल ड्राईलैंड कांग्रेस 2026, जो सितंबर 2026 में शुरू हुई, किस शहर में आयोजित की जा रही है?
(A) हैदराबाद (B) बेंगलुरु
(C) नई दिल्ली (D) जयपुर

1-{B} - 2-{D} - 3-{C} - 4-{A} - 5-{A} - 6-{D} - 7-{C} - 8-{A} - 9-{B} -10-{C}